

| Jan. | AT                  | Jan. | NT                | Jan. | Psalmen        | Jan. | Sprüche        |
|------|---------------------|------|-------------------|------|----------------|------|----------------|
| 01.  | 1.Mo. 1,1 - 2,25    | 01.  | Mt. 1,1 - 2,12    | 01.  | Ps. 1,1 - 6    | 01.  | Spr. 1,1 - 6   |
| 02.  | 1.Mo. 3,1 - 4,26    | 02.  | Mt. 2,13 - 3,6    | 02.  | Ps. 2,1 - 12   | 02.  | Spr. 1,7 - 9   |
| 03.  | 1.Mo. 5,1 - 7,24    | 03.  | Mt. 3,7 - 4,11    | 03.  | Ps. 3,2 - 9    | 03.  | Spr. 1,10 - 19 |
| 04.  | 1.Mo. 8,1 - 10,32   | 04.  | Mt. 4,12 - 25     | 04.  | Ps. 4,2 - 9    | 04.  | Spr. 1,20 - 23 |
| 05.  | 1.Mo. 11,1 - 13,4   | 05.  | Mt. 5,1 - 26      | 05.  | Ps. 5,2 - 13   | 05.  | Spr. 1,24 - 28 |
| 06.  | 1.Mo. 13,5 - 15,21  | 06.  | Mt. 5,27 - 48     | 06.  | Ps. 6,2 - 11   | 06.  | Spr. 1,29 - 33 |
| 07.  | 1.Mo. 16,1 - 18,15  | 07.  | Mt. 6,1 - 23      | 07.  | Ps. 7,2 - 18   | 07.  | Spr. 2,1 - 9   |
| 08.  | 1.Mo. 18,16 - 19,38 | 08.  | Mt. 6,24 - 7,11   | 08.  | Ps. 8,2 - 10   | 08.  | Spr. 2,10 - 22 |
| 09.  | 1.Mo. 20,1 - 22,24  | 09.  | Mt. 7,12 - 29     | 09.  | Ps. 9,2 - 13   | 09.  | Spr. 3,1 - 4   |
| 10.  | 1.Mo. 23,1 - 24,51  | 10.  | Mt. 8,1 - 17      | 10.  | Ps. 9,14 - 21  | 10.  | Spr. 3,5 - 6   |
| 11.  | 1.Mo. 24,52 - 26,11 | 11.  | Mt. 8,18 - 34     | 11.  | Ps. 10,1 - 18  | 11.  | Spr. 3,7 - 8   |
| 12.  | 1.Mo. 26,12 - 27,45 | 12.  | Mt. 9,1 - 17      | 12.  | Ps. 11,1 - 7   | 12.  | Spr. 3,9 - 10  |
| 13.  | 1.Mo. 27,46 - 29,35 | 13.  | Mt. 9,18 - 38     | 13.  | Ps. 12,2 - 9   | 13.  | Spr. 3,11 - 12 |
| 14.  | 1.Mo. 30,1 - 31,16  | 14.  | Mt. 10,1 - 26a    | 14.  | Ps. 13,2 - 6   | 14.  | Spr. 3,13 - 18 |
| 15.  | 1.Mo. 31,17 - 32,13 | 15.  | Mt. 10,26b - 11,6 | 15.  | Ps. 14,1 - 7   | 15.  | Spr. 3,19 - 26 |
| 16.  | 1.Mo. 32,14 - 34,31 | 16.  | Mt. 11,7 - 30     | 16.  | Ps. 15,1 - 5   | 16.  | Spr. 3,27 - 28 |
| 17.  | 1.Mo. 35,1 - 36,43  | 17.  | Mt. 12,1 - 21     | 17.  | Ps. 16,1 - 11  | 17.  | Spr. 3,29 - 30 |
| 18.  | 1.Mo. 37,1 - 38,30  | 18.  | Mt. 12,22 - 45    | 18.  | Ps. 17,1 - 15  | 18.  | Spr. 3,31 - 32 |
| 19.  | 1.Mo. 39,1 - 41,16  | 19.  | Mt. 12,46 - 13,23 | 19.  | Ps. 18,2 - 16  | 19.  | Spr. 3,33 - 35 |
| 20.  | 1.Mo. 41,17 - 42,17 | 20.  | Mt. 13,24 - 46    | 20.  | Ps. 18,17 - 32 | 20.  | Spr. 4,1 - 9   |
| 21.  | 1.Mo. 42,18 - 43,34 | 21.  | Mt. 13,47 - 14,13 | 21.  | Ps. 18,33 - 51 | 21.  | Spr. 4,10 - 13 |
| 22.  | 1.Mo. 44,1 - 45,28  | 22.  | Mt. 14,14 - 36    | 22.  | Ps. 19,2 - 15  | 22.  | Spr. 4,14 - 19 |
| 23.  | 1.Mo. 46,1 - 47,31  | 23.  | Mt. 15,1 - 28     | 23.  | Ps. 20,2 - 10  | 23.  | Spr. 4,20 - 27 |
| 24.  | 1.Mo. 48,1 - 49,33  | 24.  | Mt. 15,29 - 16,12 | 24.  | Ps. 21,2 - 14  | 24.  | Spr. 5,1 - 14  |
| 25.  | 1.Mo. 50,1 - 2,10   | 25.  | Mt. 16,13 - 17,9  | 25.  | Ps. 22,2 - 14  | 25.  | Spr. 5,15 - 19 |
| 26.  | 2.Mo. 2,11 - 3,22   | 26.  | Mt. 17,10 - 27    | 26.  | Ps. 22,15 - 32 | 26.  | Spr. 5,20 - 23 |
| 27.  | 2.Mo. 4,1 - 5,21    | 27.  | Mt. 18,1 - 20     | 27.  | Ps. 23,1 - 6   | 27.  | Spr. 6,1 - 5   |
| 28.  | 2.Mo. 5,22 - 7,25   | 28.  | Mt. 18,21 - 19,12 | 28.  | Ps. 24,1 - 10  | 28.  | Spr. 6,6 - 11  |
| 29.  | 2.Mo. 7,26 - 9,35   | 29.  | Mt. 19,13 - 30    | 29.  | Ps. 25,1 - 11  | 29.  | Spr. 6,12 - 15 |
| 30.  | 2.Mo. 10,1 - 12,13  | 30.  | Mt. 20,1 - 28     | 30.  | Ps. 25,12 - 22 | 30.  | Spr. 6,16 - 19 |
| 31.  | 2.Mo. 12,14 - 13,16 | 31.  | Mt. 20,29 - 21,22 | 31.  | Ps. 26,1 - 12  | 31.  | Spr. 6,20 - 26 |

| Feb. | AT                  | Feb. | NT                | Feb. | Psalmen        | Feb. | Sprüche         |
|------|---------------------|------|-------------------|------|----------------|------|-----------------|
| 01.  | 2.Mo. 13,17 - 15,19 | 01.  | Mt. 21,23 - 46    | 01.  | Ps. 27,1 - 6   | 01.  | Spr. 6,27 - 35  |
| 02.  | 2.Mo. 15,20 - 17,7  | 02.  | Mt. 22,1 - 33     | 02.  | Ps. 27,7 - 14  | 02.  | Spr. 7,1 - 5    |
| 03.  | 2.Mo. 17,8 - 19,15  | 03.  | Mt. 22,34 - 23,12 | 03.  | Ps. 28,1 - 9   | 03.  | Spr. 7,6 - 27   |
| 04.  | 2.Mo. 19,16 - 21,21 | 04.  | Mt. 23,13 - 39    | 04.  | Ps. 29,1 - 11  | 04.  | Spr. 8,1 - 11   |
| 05.  | 2.Mo. 21,22 - 23,13 | 05.  | Mt. 24,1 - 28     | 05.  | Ps. 30,2 - 13  | 05.  | Spr. 8,12 - 21  |
| 06.  | 2.Mo. 23,14 - 25,40 | 06.  | Mt. 24,29 - 51    | 06.  | Ps. 31,2 - 9   | 06.  | Spr. 8,22 - 36  |
| 07.  | 2.Mo. 26,1 - 27,21  | 07.  | Mt. 25,1 - 30     | 07.  | Ps. 31,10 - 19 | 07.  | Spr. 9,1 - 6    |
| 08.  | 2.Mo. 28,1 - 28,43  | 08.  | Mt. 25,31 - 26,13 | 08.  | Ps. 31,20 - 25 | 08.  | Spr. 9,7 - 9    |
| 09.  | 2.Mo. 29,1 - 30,10  | 09.  | Mt. 26,14 - 46    | 09.  | Ps. 32,1 - 11  | 09.  | Spr. 9,10 - 12  |
| 10.  | 2.Mo. 30,11 - 31,18 | 10.  | Mt. 26,47 - 68    | 10.  | Ps. 33,1 - 11  | 10.  | Spr. 9,13 - 18  |
| 11.  | 2.Mo. 32,1 - 33,23  | 11.  | Mt. 26,69 - 27,14 | 11.  | Ps. 33,12 - 22 | 11.  | Spr. 10,1       |
| 12.  | 2.Mo. 34,1 - 35,3   | 12.  | Mt. 27,15 - 32    | 12.  | Ps. 34,2 - 11  | 12.  | Spr. 10,2       |
| 13.  | 2.Mo. 35,4 - 36,38  | 13.  | Mt. 27,33 - 66    | 13.  | Ps. 34,12 - 23 | 13.  | Spr. 10,3       |
| 14.  | 2.Mo. 37,1 - 38,31  | 14.  | Mt. 28,1 - 20     | 14.  | Ps. 35,1 - 16  | 14.  | Spr. 10,4 - 5   |
| 15.  | 2.Mo. 39,1 - 40,38  | 15.  | Mk. 1,1 - 28      | 15.  | Ps. 35,17 - 28 | 15.  | Spr. 10,6 - 7   |
| 16.  | 3.Mo. 1,1 - 3,17    | 16.  | Mk. 1,29 - 2,12   | 16.  | Ps. 36,2 - 13  | 16.  | Spr. 10,8 - 9   |
| 17.  | 3.Mo. 4,1 - 5,19    | 17.  | Mk. 2,13 - 3,6    | 17.  | Ps. 37,1 - 11  | 17.  | Spr. 10,10      |
| 18.  | 3.Mo. 5,20 - 7,27   | 18.  | Mk. 3,7 - 30      | 18.  | Ps. 37,12 - 29 | 18.  | Spr. 10,11      |
| 19.  | 3.Mo. 7,28 - 8,36   | 19.  | Mk. 3,31 - 4,25   | 19.  | Ps. 37,30 - 40 | 19.  | Spr. 10,12      |
| 20.  | 3.Mo. 9,1 - 10,20   | 20.  | Mk. 4,26 - 5,20   | 20.  | Ps. 38,2 - 23  | 20.  | Spr. 10,13      |
| 21.  | 3.Mo. 11,1 - 12,8   | 21.  | Mk. 5,21 - 43     | 21.  | Ps. 39,2 - 14  | 21.  | Spr. 10,14      |
| 22.  | 3.Mo. 13,1 - 13,59  | 22.  | Mk. 6,1 - 29      | 22.  | Ps. 40,2 - 18  | 22.  | Spr. 10,15      |
| 23.  | 3.Mo. 14,1 - 14,57  | 23.  | Mk. 6,30 - 56     | 23.  | Ps. 41,2 - 14  | 23.  | Spr. 10,16      |
| 24.  | 3.Mo. 15,1 - 16,34  | 24.  | Mk. 7,1 - 23      | 24.  | Ps. 42,2 - 12  | 24.  | Spr. 10,17      |
| 25.  | 3.Mo. 17,1 - 18,30  | 25.  | Mk. 7,24 - 8,9    | 25.  | Ps. 43,1 - 5   | 25.  | Spr. 10,18      |
| 26.  | 3.Mo. 19,1 - 20,21  | 26.  | Mk. 8,10 - 38     | 26.  | Ps. 44,2 - 9   | 26.  | Spr. 10,19      |
| 27.  | 3.Mo. 20,22 - 22,16 | 27.  | Mk. 9,1 - 29      | 27.  | Ps. 44,10 - 27 | 27.  | Spr. 10,20 - 21 |
| 28.  | 3.Mo. 22,17 - 23,44 | 28.  | Mk. 9,30 - 10,12  | 28.  | Ps. 45,1 - 18  | 28.  | Spr. 10,22      |

| Mär | AT                  | Mär | NT                | Mär | Psalmen        | Mär | Sprüche         |
|-----|---------------------|-----|-------------------|-----|----------------|-----|-----------------|
| 01. | 3.Mo. 24,1 - 25,55  | 01. | Mk. 10,13 - 31    | 01. | Ps. 46,2 - 12  | 01. | Spr. 10,23      |
| 02. | 3.Mo. 26,1 - 27,13  | 02. | Mk. 10,32 - 52    | 02. | Ps. 47,2 - 10  | 02. | Spr. 10,24 - 25 |
| 03. | 3.Mo. 27,14 - 1,54  | 03. | Mk. 11,1 - 26     | 03. | Ps. 48,2 - 15  | 03. | Spr. 10,26      |
| 04. | 4.Mo. 2,1 - 3,51    | 04. | Mk. 11,27 - 12,17 | 04. | Ps. 49,2 - 21  | 04. | Spr. 10,27 - 28 |
| 05. | 4.Mo. 4,1 - 5,31    | 05. | Mk. 12,18 - 37    | 05. | Ps. 50,1 - 23  | 05. | Spr. 10,29 - 30 |
| 06. | 4.Mo. 6,1 - 7,89    | 06. | Mk. 12,38 - 13,13 | 06. | Ps. 51,3 - 21  | 06. | Spr. 10,31 - 32 |
| 07. | 4.Mo. 8,1 - 9,23    | 07. | Mk. 13,14 - 37    | 07. | Ps. 52,3 - 11  | 07. | Spr. 11,1       |
| 08. | 4.Mo. 10,1 - 11,23  | 08. | Mk. 14,1 - 21     | 08. | Ps. 53,2 - 7   | 08. | Spr. 11,2 - 3   |
| 09. | 4.Mo. 11,24 - 13,33 | 09. | Mk. 14,22 - 52    | 09. | Ps. 54,3 - 9   | 09. | Spr. 11,4       |
| 10. | 4.Mo. 14,1 - 15,16  | 10. | Mk. 14,53 - 72    | 10. | Ps. 55,2 - 24  | 10. | Spr. 11,5 - 6   |
| 11. | 4.Mo. 15,17 - 17,5  | 11. | Mk. 15,1 - 47     | 11. | Ps. 56, 2 - 14 | 11. | Spr. 11,7 - 8   |
| 12. | 4.Mo. 17,6 - 18,32  | 12. | Mk. 16,1 - 20     | 12. | Ps. 57,2 - 12  | 12. | Spr. 11,9       |
| 13. | 4.Mo. 19,1 - 20,29  | 13. | Lk. 1,1 - 25      | 13. | Ps. 58,2 - 12  | 13. | Spr. 11,10 - 11 |
| 14. | 4.Mo. 21,1 - 22,20  | 14. | Lk. 1,26 - 56     | 14. | Ps. 59,2 - 18  | 14. | Spr. 11,12      |
| 15. | 4.Mo. 22,21 - 23,30 | 15. | Lk. 1,57 - 80     | 15. | Ps. 60,3 - 14  | 15. | Spr. 11,13      |
| 16. | 4.Mo. 24,1 - 25,18  | 16. | Lk. 2,1 - 35      | 16. | Ps. 61,2 - 9   | 16. | Spr. 11,14      |
| 17. | 4.Mo. 25,19 - 26,51 | 17. | Lk. 2,36 - 52     | 17. | Ps. 62,2 - 13  | 17. | Spr. 11,15      |
| 18. | 4.Mo. 26,52 - 28,15 | 18. | Lk. 3,1 - 22      | 18. | Ps. 63,2 - 12  | 18. | Spr. 11,16      |
| 19. | 4.Mo. 28,16 - 30,1  | 19. | Lk. 3,23 - 38     | 19. | Ps. 64,2 - 11  | 19. | Spr. 11,17      |
| 20. | 4.Mo. 30,2 - 31,54  | 20. | Lk. 4,1 - 30      | 20. | Ps. 65,2 - 14  | 20. | Spr. 11,18 - 19 |
| 21. | 4.Mo. 32,1 - 33,39  | 21. | Lk. 4,31 - 5,11   | 21. | Ps. 66,1 - 20  | 21. | Spr. 11,20 - 21 |
| 22. | 4.Mo. 33,40 - 35,34 | 22. | Lk. 5,12 - 26     | 22. | Ps. 67,2 - 8   | 22. | Spr. 11,22      |
| 23. | 4.Mo. 36,1 - 1,46   | 23. | Lk. 5,27 - 6,11   | 23. | Ps. 68,2 - 19  | 23. | Spr. 11,23      |
| 24. | 5.Mo. 2,1 - 3,29    | 24. | Lk. 6,12 - 38     | 24. | Ps. 68,20 - 36 | 24. | Spr. 11,24 - 26 |
| 25. | 5.Mo. 4,1 - 49      | 25. | Lk. 6,39 - 7,10   | 25. | Ps. 69,2 - 16  | 25. | Spr. 11,27      |
| 26. | 5.Mo. 5,1 - 6,25    | 26. | Lk. 7,11 - 35     | 26. | Ps. 69,17 - 37 | 26. | Spr. 11,28      |
| 27. | 5.Mo. 7,1 - 8,20    | 27. | Lk. 7,36 - 8,3    | 27. | Ps. 70,2 - 6   | 27. | Spr. 11,29 - 31 |
| 28. | 5.Mo. 9,1 - 10,22   | 28. | Lk. 8,4 - 21      | 28. | Ps. 71,1 - 16  | 28. | Spr. 12,1       |
| 29. | 5.Mo. 11,1 - 13,1   | 29. | Lk. 8,22 - 39     | 29. | Ps. 71,17 - 24 | 29. | Spr. 12,2 - 3   |
| 30. | 5.Mo. 13,2 - 15,23  | 30. | Lk. 8,40 - 9,6    | 30. | Ps. 72,1 - 19  | 30. | Spr. 12,4       |
| 31. | 5.Mo. 16,1 - 17,20  | 31. | Lk. 9,7 - 27      | 31. | Ps. 73,1 - 28  | 31. | Spr. 12,5 - 7   |

| Apr. | AT                  | Apr. | NT                | Apr. | Psalmen        | Apr. | Sprüche         |
|------|---------------------|------|-------------------|------|----------------|------|-----------------|
| 01.  | 5.Mo. 18,1 - 20,20  | 01.  | Lk. 9,28 - 50     | 01.  | Ps. 74,1 - 23  | 01.  | Spr. 12,8       |
| 02.  | 5.Mo. 21,1 - 23,1   | 02.  | Lk. 9,51 - 10,12  | 02.  | Ps. 75,2 - 11  | 02.  | Spr. 12,9       |
| 03.  | 5.Mo. 23,2 - 25,19  | 03.  | Lk. 10,13 - 37    | 03.  | Ps. 76,2 - 13  | 03.  | Spr. 12,10      |
| 04.  | 5.Mo. 26,1 - 27,26  | 04.  | Lk. 10,38 - 11,13 | 04.  | Ps. 77,2 - 21  | 04.  | Spr. 12,11      |
| 05.  | 5.Mo. 28,1 - 68     | 05.  | Lk. 11,14 - 36    | 05.  | Ps. 78,1 - 22  | 05.  | Spr. 12,12 - 14 |
| 06.  | 5.Mo. 28,69 - 30,14 | 06.  | Lk. 11,37 - 12,7  | 06.  | Ps. 78,23 - 53 | 06.  | Spr. 12,15 - 16 |
| 07.  | 5.Mo. 30,15 - 31,29 | 07.  | Lk. 12,8 - 34     | 07.  | Ps. 78,54 - 72 | 07.  | Spr. 12,17 - 18 |
| 08.  | 5.Mo. 31,30 - 32,47 | 08.  | Lk. 12,35 - 59    | 08.  | Ps. 79,1 - 13  | 08.  | Spr. 12,19      |
| 09.  | 5.Mo. 32,48 - 33,29 | 09.  | Lk. 13,1 - 21     | 09.  | Ps. 80,2 - 20  | 09.  | Spr. 12,20      |
| 10.  | 5.Mo. 34,1-Jos.2,24 | 10.  | Lk. 13,22 - 14,6  | 10.  | Ps. 81,2 - 17  | 10.  | Spr. 12,21 - 23 |
| 11.  | Jos. 3,1 - 5,1      | 11.  | Lk. 14,7 - 35     | 11.  | Ps. 82,1 - 8   | 11.  | Spr. 12,24      |
| 12.  | Jos. 5,2 - 7,15     | 12.  | Lk. 15,1 - 32     | 12.  | Ps. 83,2 - 19  | 12.  | Spr. 12,25      |
| 13.  | Jos. 7,16 - 9,2     | 13.  | Lk. 16,1 - 18     | 13.  | Ps. 84,2 - 13  | 13.  | Spr. 12,26 - 28 |
| 14.  | Jos. 9,3 - 10,43    | 14.  | Lk. 16,19 - 17,10 | 14.  | Ps. 85,2 - 14  | 14.  | Spr. 13,1       |
| 15.  | Jos. 11,1 - 12,24   | 15.  | Lk. 17,11 - 37    | 15.  | Ps. 86,1 - 17  | 15.  | Spr. 13,2 - 3   |
| 16.  | Jos. 13,1 - 14,15   | 16.  | Lk. 18,1 - 17     | 16.  | Ps. 87,1 - 7   | 16.  | Spr. 13,4       |
| 17.  | Jos. 15,1 - 63      | 17.  | Lk. 18,18 - 43    | 17.  | Ps. 88,2 - 19  | 17.  | Spr. 13,5 - 6   |
| 18.  | Jos. 16,1 - 18,28   | 18.  | Lk. 19,1 - 27     | 18.  | Ps. 89,2 - 19  | 18.  | Spr. 13,7 - 8   |
| 19.  | Jos. 19,1 - 20,9    | 19.  | Lk. 19,28 - 48    | 19.  | Ps. 89,20 - 53 | 19.  | Spr. 13,9 - 10  |
| 20.  | Jos. 21,1 - 22,8    | 20.  | Lk. 20,1 - 26     | 20.  | Ps. 90,1 - 17  | 20.  | Spr. 13,11      |
| 21.  | Jos. 22,9 - 23,16   | 21.  | Lk. 20,27 - 47    | 21.  | Ps. 91,1 - 16  | 21.  | Spr. 13,12 - 14 |
| 22.  | Jos. 24,1 - 33      | 22.  | Lk. 21,1 - 28     | 22.  | Ps. 92,2 - 16  | 22.  | Spr. 13,15 - 17 |
| 23.  | Ri. 1,1 - 2,5       | 23.  | Lk. 21,29 - 22,13 | 23.  | Ps. 93,1 - 5   | 23.  | Spr. 13,18 - 19 |
| 24.  | Ri. 2,6 - 3,31      | 24.  | Lk. 22,14 - 34    | 24.  | Ps. 94,1 - 23  | 24.  | Spr. 13,20      |
| 25.  | Ri. 4,1 - 5,31      | 25.  | Lk. 22,35 - 53    | 25.  | Ps. 95,1 - 11  | 25.  | Spr. 13,21 - 23 |
| 26.  | Ri. 6,1 - 40        | 26.  | Lk. 22,54 - 23,12 | 26.  | Ps. 96,1 - 13  | 26.  | Spr. 13,24 - 25 |
| 27.  | Ri. 7,1 - 8,17      | 27.  | Lk. 23,13 - 43    | 27.  | Ps. 97,1 - 12  | 27.  | Spr. 14,1 - 2   |
| 28.  | Ri. 8,18 - 9,21     | 28.  | Lk. 23,44 - 24,12 | 28.  | Ps. 98,1 - 9   | 28.  | Spr. 14,3 - 4   |
| 29.  | Ri. 9,22 - 10,18    | 29.  | Lk. 24,13 - 53    | 29.  | Ps. 99,1 - 9   | 29.  | Spr. 14,5 - 6   |
| 30.  | Ri. 11,1 - 12,15    | 30.  | Joh. 1,1 - 28     | 30.  | Ps. 100,1 - 5  | 30.  | Spr. 14,7 - 8   |

| Mai | AT                   | Mai | NT                  | Mai | Psalmen           | Mai | Sprüche         |
|-----|----------------------|-----|---------------------|-----|-------------------|-----|-----------------|
| 01. | Ri. 13,1 - 14,20     | 01. | Joh. 1,29 - 51      | 01. | Ps. 101, 1 - 8    | 01. | Spr. 14,9       |
| 02. | Ri. 15,1 - 16,31     | 02. | Joh. 2,1 - 25       | 02. | Ps. 102,2 - 29    | 02. | Spr. 14,10      |
| 03. | Ri. 17,1 - 18,31     | 03. | Joh. 3,1 - 21       | 03. | Ps. 103,1 - 22    | 03. | Spr. 14,11 - 12 |
| 04. | Ri. 19,1 - 20,48     | 04. | Joh. 3,22 - 36      | 04. | Ps. 104,1 - 35    | 04. | Spr. 14,13      |
| 05. | Ri. 21,1 - Ruth 1,22 | 05. | Joh. 4,1 - 42       | 05. | Ps. 105,1 - 15    | 05. | Spr. 14,14 - 16 |
| 06. | Ruth 2,1 - 4,22      | 06. | Joh. 4,43 - 54      | 06. | Ps. 105,16 - 45   | 06. | Spr. 14,17 - 19 |
| 07. | 1.Sam. 1,1 - 2,21    | 07. | Joh. 5,1 - 23a      | 07. | Ps. 106,1 - 12    | 07. | Spr. 14,20 - 22 |
| 08. | 1.Sam. 2,22 - 4,22   | 08. | Joh. 5,23b - 47     | 08. | Ps. 106,13 - 31   | 08. | Spr. 14,23 - 25 |
| 09. | 1.Sam. 5,1 - 7,17    | 09. | Joh. 6,1 - 21       | 09. | Ps. 106,32 - 48   | 09. | Spr. 14,26 - 27 |
| 10. | 1.Sam. 8,1 - 9,27    | 10. | Joh. 6,22 - 46      | 10. | Ps. 107,1 - 43    | 10. | Spr. 14,28 - 30 |
| 11. | 1.Sam. 10,1 - 11,15  | 11. | Joh. 6,47 - 71      | 11. | Ps. 108,2 - 14    | 11. | Spr. 14,31      |
| 12. | 1.Sam. 12,1 - 13,23  | 12. | Joh. 7,1 - 30       | 12. | Ps. 109,1 - 31    | 12. | Spr. 14,32 - 33 |
| 13. | 1.Sam. 14,1 - 52     | 13. | Joh. 7,31 - 52      | 13. | Ps. 110,1 - 7     | 13. | Spr. 14,34 - 35 |
| 14. | 1.Sam. 15,1 - 16,23  | 14. | Joh. 7,53 - 8,20    | 14. | Ps. 111,1 - 10    | 14. | Spr. 15,1 - 3   |
| 15. | 1.Sam. 17,1 - 18,4   | 15. | Joh. 8,21 - 30      | 15. | Ps. 112,1 - 10    | 15. | Spr. 15,4       |
| 16. | 1.Sam. 18,5 - 19,24  | 16. | Joh. 8,31 - 59      | 16. | Ps. 113,1 - 9     | 16. | Spr. 15,5 - 7   |
| 17. | 1.Sam. 20,1 - 21,16  | 17. | Joh. 9,1 - 41       | 17. | Ps. 114,1 - 8     | 17. | Spr. 15,8 - 10  |
| 18. | 1.Sam. 22,1 - 23,28  | 18. | Joh. 10,1 - 21      | 18. | Ps. 115,1 - 18    | 18. | Spr. 15,11      |
| 19. | 1.Sam. 24,1 - 25,44  | 19. | Joh. 10,22 - 42     | 19. | Ps. 116,1 - 19    | 19. | Spr. 15,12 - 14 |
| 20. | 1.Sam. 26,1 - 28,25  | 20. | Joh. 11,1 - 45      | 20. | Ps. 117,1 - 2     | 20. | Spr. 15,15 - 17 |
| 21. | 1.Sam. 29,1 - 31,13  | 21. | Joh. 11,46 - 12,19  | 21. | Ps. 118,1 - 18    | 21. | Spr. 15,18      |
| 22. | 2.Sam. 1,1 - 2,11    | 22. | Joh. 12,20 - 50     | 22. | Ps. 118,19 - 29   | 22. | Spr. 15,19 - 20 |
| 23. | 2.Sam. 2,12 - 3,39   | 23. | Joh. 13,1 - 30      | 23. | Ps. 119,1 - 16    | 23. | Spr. 15,21 - 23 |
| 24. | 2.Sam. 4,1 - 6,23    | 24. | Joh. 13,31 - 14,14  | 24. | Ps. 119,17 - 32   | 24. | Spr. 15,24 - 26 |
| 25. | 2.Sam. 7,1 - 8,18    | 25. | Joh. 14,15 - 31     | 25. | Ps. 119,32 - 48   | 25. | Spr. 15,27 - 28 |
| 26. | 2.Sam. 9,1 - 11,27   | 26. | Joh. 15,1 - 27      | 26. | Ps. 119,49 - 64   | 26. | Spr. 15,29 - 30 |
| 27. | 2.Sam. 12,1 - 31     | 27. | Joh. 16,1 - 33      | 27. | Ps. 119,65 - 80   | 27. | Spr. 15,31 - 32 |
| 28. | 2.Sam. 13,1 - 39     | 28. | Joh. 17,1 - 26      | 28. | Ps. 119,81 - 96   | 28. | Spr. 15,33      |
| 29. | 2.Sam. 14,1 - 15,22  | 29. | Joh. 18,1 - 27      | 29. | Ps. 119,97 - 112  | 29. | Spr. 16,1 - 3   |
| 30. | 2.Sam. 15,23 - 16,23 | 30. | Joh. 18,28 - 19,16a | 30. | Ps. 119,113 - 136 | 30. | Spr. 16,4 - 5   |
| 31. | 2.Sam. 17,1 - 29     | 31. | Joh. 19,16b - 42    | 31. | Ps. 119,137 - 160 | 31. | Spr. 16,6 - 7   |

| Jun. | AT                   | Jun. | NT                 | Jun. | Psalmen           | Jun. | Sprüche         |
|------|----------------------|------|--------------------|------|-------------------|------|-----------------|
| 01.  | 2.Sam. 18,1 - 19,9a  | 01.  | Joh. 20,1 - 31     | 01.  | Ps. 119,161 - 176 | 01.  | Spr. 16,8 - 9   |
| 02.  | 2.Sam. 19,9b - 20,22 | 02.  | Joh. 21,1 - 25     | 02.  | Ps. 120,1 - 7     | 02.  | Spr. 16,10 - 15 |
| 03.  | 2.Sam. 20,23 - 22,20 | 03.  | Apg. 1,1 - 26      | 03.  | Ps. 121,1 - 8     | 03.  | Spr. 16,16 - 17 |
| 04.  | 2.Sam. 22,21 - 23,17 | 04.  | Apg. 2,1 - 47      | 04.  | Ps. 122,1 - 9     | 04.  | Spr. 16,18 - 19 |
| 05.  | 2.Sam. 23,18 - 24,25 | 05.  | Apg. 3,1 - 26      | 05.  | Ps. 123,1 - 4     | 05.  | Spr. 16,20 - 23 |
| 06.  | 1.Kön. 1,1 - 53      | 06.  | Apg. 4,1 - 37      | 06.  | Ps. 124,1 - 8     | 06.  | Spr. 16,24      |
| 07.  | 1.Kön. 2,1 - 3,2     | 07.  | Apg. 5,1 - 42      | 07.  | Ps. 125,1 - 5     | 07.  | Spr. 16,25      |
| 08.  | 1.Kön. 3,3 - 5,14    | 08.  | Apg. 6,1 - 15      | 08.  | Ps. 126,1 - 6     | 08.  | Spr. 16,26 - 29 |
| 09.  | 1.Kön. 5,15 - 6,38   | 09.  | Apg. 7,1 - 29      | 09.  | Ps. 127,1 - 5     | 09.  | Spr. 16,30      |
| 10.  | 1.Kön. 7,1 - 51      | 10.  | Apg. 7,30 - 43     | 10.  | Ps. 128,1 - 6     | 10.  | Spr. 16,31 - 33 |
| 11.  | 1.Kön. 8,1 - 66      | 11.  | Apg. 7,44 - 8,13   | 11.  | Ps. 129,1 - 8     | 11.  | Spr. 17,1       |
| 12.  | 1.Kön. 9,1 - 10,29   | 12.  | Apg. 8,14 - 40     | 12.  | Ps. 130,1 - 8     | 12.  | Spr. 17,2 - 3   |
| 13.  | 1.Kön. 11,1 - 12,19  | 13.  | Apg. 9,1 - 25      | 13.  | Ps. 131,1 - 3     | 13.  | Spr. 17,4 - 5   |
| 14.  | 1.Kön. 12,20 - 13,34 | 14.  | Apg. 9,26 - 43     | 14.  | Ps. 132,1 - 18    | 14.  | Spr. 17,6       |
| 15.  | 1.Kön. 14,1 - 15,24  | 15.  | Apg. 10,1 - 23a    | 15.  | Ps. 133,1 - 3     | 15.  | Spr. 17,7 - 8   |
| 16.  | 1.Kön. 15,25 - 17,24 | 16.  | Apg. 10,23b - 48   | 16.  | Ps. 134,1 - 3     | 16.  | Spr. 17,9 - 11  |
| 17.  | 1.Kön. 18,1 - 46     | 17.  | Apg. 11,1 - 30     | 17.  | Ps. 135,1 - 21    | 17.  | Spr. 17,12 - 13 |
| 18.  | 1.Kön. 19,1 - 20,21  | 18.  | Apg. 12,1 - 23     | 18.  | Ps. 136,1 - 26    | 18.  | Spr. 17,14 - 15 |
| 19.  | 1.Kön. 20,22 - 21,29 | 19.  | Apg. 12,24 - 13,13 | 19.  | Ps. 137,1 - 9     | 19.  | Spr. 17,16      |
| 20.  | 1.Kön. 22,1 - 54     | 20.  | Apg. 13,14 - 41    | 20.  | Ps. 138,1 - 8     | 20.  | Spr. 17,17 - 18 |
| 21.  | 2.Kön. 1,1 - 2,25    | 21.  | Apg. 13,42 - 14,7  | 21.  | Ps. 139,1 - 24    | 21.  | Spr. 17,19 - 21 |
| 22.  | 2.Kön. 3,1 - 4,17    | 22.  | Apg. 14,8 - 28     | 22.  | Ps. 140,2 - 14    | 22.  | Spr. 17,22      |
| 23.  | 2.Kön. 4,18 - 5,27   | 23.  | Apg. 15,1 - 35     | 23.  | Ps. 141,1 - 10    | 23.  | Spr. 17,23      |
| 24.  | 2.Kön. 6,1 - 7,20    | 24.  | Apg. 15,36 - 16,15 | 24.  | Ps. 142,2 - 8     | 24.  | Spr. 17,24 - 25 |
| 25.  | 2.Kön. 8,1 - 9,15a   | 25.  | Apg. 16,16 - 40    | 25.  | Ps. 143,1 - 12    | 25.  | Spr. 17,26 - 27 |
| 26.  | 2.Kön. 9,15b - 10,31 | 26.  | Apg. 17,1 - 34     | 26.  | Ps. 144,1 - 15    | 26.  | Spr. 17,28      |
| 27.  | 2.Kön. 10,32 - 12,22 | 27.  | Apg. 18,1 - 22     | 27.  | Ps. 145,1 - 21    | 27.  | Spr. 18,1       |
| 28.  | 2.Kön. 13,1 - 14,29  | 28.  | Apg. 18,23 - 19,12 | 28.  | Ps. 146,1 - 10    | 28.  | Spr. 18,2 - 3   |
| 29.  | 2.Kön. 15,1 - 16,20  | 29.  | Apg. 19,13 - 40    | 29.  | Ps. 147,1 - 20    | 29.  | Spr. 18,4 - 5   |
| 30.  | 2.Kön. 17,1 - 18,12  | 30.  | Apg. 20,1 - 38     | 30.  | Ps. 148,1 - 14    | 30.  | Spr. 18,6 - 7   |

| Jul. | AT                   | Jul. | NT                 | Jul. | Psalmen        | Jul. | Sprüche         |
|------|----------------------|------|--------------------|------|----------------|------|-----------------|
| 01.  | 2.Kön. 18,13 - 19,37 | 01.  | Apg. 21,1 - 17     | 01.  | Ps. 149,1 - 9  | 01.  | Spr. 18,8 - 9   |
| 02.  | 2.Kön. 20,1 - 21,26  | 02.  | Apg. 21,18 - 36    | 02.  | Ps. 150,1 - 6  | 02.  | Spr. 18,10      |
| 03.  | 2.Kön. 22,1 - 23,30  | 03.  | Apg. 21,37 - 22,16 | 03.  | Ps. 1,1 - 6    | 03.  | Spr. 18,11 - 12 |
| 04.  | 2.Kön. 23,31 - 25,30 | 04.  | Apg. 22,17 - 23,11 | 04.  | Ps. 2,1 - 12   | 04.  | Spr. 18,13      |
| 05.  | 1.Chr. 1,1 - 2,17    | 05.  | Apg. 23,12 - 35    | 05.  | Ps. 3,2 - 9    | 05.  | Spr. 18,14 - 15 |
| 06.  | 1.Chr. 2,18 - 3,24   | 06.  | Apg. 24,1 - 27     | 06.  | Ps. 4,2 - 9    | 06.  | Spr. 18,16 - 18 |
| 07.  | 1.Chr. 4,1 - 5,17    | 07.  | Apg. 25,1 - 27     | 07.  | Ps. 5,2 - 13   | 07.  | Spr. 18,19      |
| 08.  | 1.Chr. 5,18 - 6,66   | 08.  | Apg. 26,1 - 32     | 08.  | Ps. 6,2 - 11   | 08.  | Spr. 18,20 - 21 |
| 09.  | 1.Chr. 7,1 - 9,1a    | 09.  | Apg. 27,1 - 20     | 09.  | Ps. 7,2 - 18   | 09.  | Spr. 18,22      |
| 10.  | 1.Chr. 9,1b - 10,14  | 10.  | Apg. 27,21 - 44    | 10.  | Ps. 8,2 - 10   | 10.  | Spr. 18,23 - 24 |
| 11.  | 1.Chr. 11,1 - 12,23  | 11.  | Apg. 28,1 - 31     | 11.  | Ps. 9,2 - 13   | 11.  | Spr. 19,1 - 2   |
| 12.  | 1.Chr. 12,24 - 14,17 | 12.  | Röm. 1,1 - 17      | 12.  | Ps. 9,14 - 21  | 12.  | Spr. 19,3       |
| 13.  | 1.Chr. 15,1 - 16,36  | 13.  | Röm. 1,18 - 32     | 13.  | Ps. 10,1 - 18  | 13.  | Spr. 19,4 - 5   |
| 14.  | 1.Chr. 16,37 - 18,17 | 14.  | Röm. 2,1 - 24      | 14.  | Ps. 11,1 - 7   | 14.  | Spr. 19,6 - 7   |
| 15.  | 1.Chr. 19,1 - 22,1   | 15.  | Röm. 2,25 - 3,8    | 15.  | Ps. 12,2 - 9   | 15.  | Spr. 19,8 - 9   |
| 16.  | 1.Chr. 22,2 - 23,32  | 16.  | Röm. 3,9 - 31      | 16.  | Ps. 13,2 - 6   | 16.  | Spr. 19,10 - 11 |
| 17.  | 1.Chr. 24,1 - 26,19  | 17.  | Röm. 4,1 - 12      | 17.  | Ps. 14,1 - 7   | 17.  | Spr. 19,12 - 14 |
| 18.  | 1.Chr. 26,20 - 27,34 | 18.  | Röm. 4,13 - 25     | 18.  | Ps. 15,1 - 5   | 18.  | Spr. 19,15 - 16 |
| 19.  | 1.Chr. 28,1 - 29,30  | 19.  | Röm. 5,1 - 21      | 19.  | Ps. 16,1 - 11  | 19.  | Spr. 19,17      |
| 20.  | 2.Chr. 1,1 - 3,17    | 20.  | Röm. 6,1 - 23      | 20.  | Ps. 17,1 - 15  | 20.  | Spr. 19,18 - 19 |
| 21.  | 2.Chr. 4,1 - 6,11    | 21.  | Röm. 7,1 - 13      | 21.  | Ps. 18,2 - 16  | 21.  | Spr. 19,20 - 21 |
| 22.  | 2.Chr. 6,12 - 8,10   | 22.  | Röm. 7,14 - 8,4    | 22.  | Ps. 18,17 - 32 | 22.  | Spr. 19,22 - 23 |
| 23.  | 2.Chr. 8,11 - 10,19  | 23.  | Röm. 8,5 - 21      | 23.  | Ps. 18,33 - 51 | 23.  | Spr. 19,24 - 25 |
| 24.  | 2.Chr. 11,1 - 13,23  | 24.  | Röm. 8,22 - 39     | 24.  | Ps. 19,2 - 15  | 24.  | Spr. 19,26      |
| 25.  | 2.Chr. 14,1 - 16,14  | 25.  | Röm. 9,1 - 18      | 25.  | Ps. 20,2 - 10  | 25.  | Spr. 19,27 - 29 |
| 26.  | 2.Chr. 17,1 - 18,34  | 26.  | Röm. 9,19 - 10,11  | 26.  | Ps. 21,2 - 14  | 26.  | Spr. 20,1       |
| 27.  | 2.Chr. 19,1 - 20,37  | 27.  | Röm. 10,12 - 11,12 | 27.  | Ps. 22,2 - 14  | 27.  | Spr. 20,2 - 4   |
| 28.  | 2.Chr. 21,1 - 23,21  | 28.  | Röm. 11,13 - 36    | 28.  | Ps. 22,15 - 32 | 28.  | Spr. 20,5 - 6   |
| 29.  | 2.Chr. 24,1 - 25,28  | 29.  | Röm. 12,1 - 21     | 29.  | Ps. 23,1 - 6   | 29.  | Spr. 20,7       |
| 30.  | 2.Chr. 26,1 - 28,27  | 30.  | Röm. 13,1 - 14     | 30.  | Ps. 24,1 - 10  | 30.  | Spr. 20,8 - 10  |
| 31.  | 2.Chr. 29,1 - 36     | 31.  | Röm. 14,1 - 23     | 31.  | Ps. 25,1 - 11  | 31.  | Spr. 20,11      |

| Aug. | AT                   | Aug. | NT                   | Aug. | Psalmen        | Aug. | Sprüche         |
|------|----------------------|------|----------------------|------|----------------|------|-----------------|
| 01.  | 2.Chr. 30,1 - 31,21  | 01.  | Röm. 15,1 - 24       | 01.  | Ps. 25,12 - 22 | 01.  | Spr. 20,12      |
| 02.  | 2.Chr. 32,1 - 33,13  | 02.  | Röm. 15,25 - 16,7    | 02.  | Ps. 26,1 - 12  | 02.  | Spr. 20,13 - 15 |
| 03.  | 2.Chr. 33,14 - 34,33 | 03.  | Röm. 16,8 - 27       | 03.  | Ps. 27,1 - 6   | 03.  | Spr. 20,16 - 17 |
| 04.  | 2.Chr. 35,1 - 36,23  | 04.  | 1.Kor. 1,1 - 17      | 04.  | Ps. 27,7 - 14  | 04.  | Spr. 20,18 - 19 |
| 05.  | Esra 1,1 - 2,70      | 05.  | 1.Kor. 1,18 - 2,5    | 05.  | Ps. 28,1 - 9   | 05.  | Spr. 20,20 - 21 |
| 06.  | Esra 3,1 - 4,24      | 06.  | 1.Kor. 2,6 - 3,4     | 06.  | Ps. 29,1 - 11  | 06.  | Spr. 20,22 - 23 |
| 07.  | Esra 5,1 - 6,22      | 07.  | 1.Kor. 3,5 - 23      | 07.  | Ps. 30,2 - 13  | 07.  | Spr. 20,24 - 25 |
| 08.  | Esra 7,1 - 8,20      | 08.  | 1.Kor. 4,1 - 21      | 08.  | Ps. 31,2 - 9   | 08.  | Spr. 20,26 - 28 |
| 09.  | Esra 8,21 - 9,15     | 09.  | 1.Kor. 5,1 - 13      | 09.  | Ps. 31,10 - 19 | 09.  | Spr. 20,29 - 30 |
| 10.  | Esra 10,1 - 44       | 10.  | 1.Kor. 6,1 - 20      | 10.  | Ps. 31,20 - 25 | 10.  | Spr. 21,1 - 2   |
| 11.  | Neh. 1,1 - 3,13      | 11.  | 1.Kor. 7,1 - 24      | 11.  | Ps. 32,1 - 11  | 11.  | Spr. 21,3       |
| 12.  | Neh. 3,14 - 5,13     | 12.  | 1.Kor. 7,25 - 40     | 12.  | Ps. 33,1 - 11  | 12.  | Spr. 21,4       |
| 13.  | Neh. 5,14 - 7,60     | 13.  | 1.Kor. 8,1 - 13      | 13.  | Ps. 33,12 - 22 | 13.  | Spr. 21,5 - 7   |
| 14.  | Neh. 7,61 - 9,21     | 14.  | 1.Kor. 9,1 - 18      | 14.  | Ps. 34,2 - 11  | 14.  | Spr. 21,8 - 10  |
| 15.  | Neh. 9,22 - 10,40    | 15.  | 1.Kor. 9,19 - 10,13  | 15.  | Ps. 34,12 - 23 | 15.  | Spr. 21,11 - 12 |
| 16.  | Neh. 11,1 - 12,26    | 16.  | 1.Kor. 10,14 - 11,1  | 16.  | Ps. 35,1 - 16  | 16.  | Spr. 21,13      |
| 17.  | Neh. 12,27 - 13,31   | 17.  | 1.Kor. 11,2 - 16     | 17.  | Ps. 35,17 - 28 | 17.  | Spr. 21,14 - 16 |
| 18.  | Esth. 1,1 - 3,15     | 18.  | 1.Kor. 11,17 - 34    | 18.  | Ps. 36,2 - 13  | 18.  | Spr. 21,17 - 18 |
| 19.  | Esth. 4,1 - 7,10     | 19.  | 1.Kor. 12,1 - 26     | 19.  | Ps. 37,1 - 11  | 19.  | Spr. 21,19 - 21 |
| 20.  | Esth. 8,1 - 10,3     | 20.  | 1.Kor. 12,27 - 13,13 | 20.  | Ps. 37,12 - 29 | 20.  | Spr. 21,22 - 24 |
| 21.  | Hiob 1,1 - 3,26      | 21.  | 1.Kor. 14,1 - 19     | 21.  | Ps. 37,30 - 40 | 21.  | Spr. 21,25 - 26 |
| 22.  | Hiob 4,1 - 7,21      | 22.  | 1.Kor. 14,20 - 40    | 22.  | Ps. 38,2 - 23  | 22.  | Spr. 21,27      |
| 23.  | Hiob 8,1 - 11,20     | 23.  | 1.Kor. 15,1 - 28     | 23.  | Ps. 39,2 - 14  | 23.  | Spr. 21,28 - 29 |
| 24.  | Hiob 12,1 - 15,35    | 24.  | 1.Kor. 15,29 - 58    | 24.  | Ps. 40,2 - 18  | 24.  | Spr. 21,30 - 31 |
| 25.  | Hiob 16,1 - 19,29    | 25.  | 1.Kor. 16,1 - 24     | 25.  | Ps. 41,2 - 14  | 25.  | Spr. 22,1       |
| 26.  | Hiob 20,1 - 22,30    | 26.  | 2.Kor. 1,1 - 11      | 26.  | Ps. 42,2 - 12  | 26.  | Spr. 22,2       |
| 27.  | Hiob 23,1 - 27,23    | 27.  | 2.Kor. 1,12 - 2,4    | 27.  | Ps. 43,1 - 5   | 27.  | Spr. 22,3 - 4   |
| 28.  | Hiob 28,1 - 30,31    | 28.  | 2.Kor. 2,5 - 17      | 28.  | Ps. 44,2 - 9   | 28.  | Spr. 22,5 - 6   |
| 29.  | Hiob 31,1 - 33,33    | 29.  | 2.Kor. 3,1 - 18      | 29.  | Ps. 44,10 - 27 | 29.  | Spr. 22,7       |
| 30.  | Hiob 34,1 - 36,33    | 30.  | 2.Kor. 4,1 - 12      | 30.  | Ps. 45,1 - 18  | 30.  | Spr. 22,8       |
| 31.  | Hiob 37,1 - 39,30    | 31.  | 2.Kor. 4,13 - 5,10   | 31.  | Ps. 46,2 - 12  | 31.  | Spr. 22,9       |



| Sep. | AT                 | Sep. | NT                | Sep. | Psalmen        | Sep. | Sprüche         |
|------|--------------------|------|-------------------|------|----------------|------|-----------------|
| 01.  | Hiob 40,1 - 42,17  | 01.  | 2.Kor. 5,11 - 21  | 01.  | Ps. 47,2 - 10  | 01.  | Spr. 22,10 - 12 |
| 02.  | Pred. 1,1 - 3,22   | 02.  | 2.Kor. 6,1 - 13   | 02.  | Ps. 48,2 - 15  | 02.  | Spr. 22,13      |
| 03.  | Pred. 4,1 - 6,12   | 03.  | 2.Kor. 6,14 - 7,7 | 03.  | Ps. 49,2 - 21  | 03.  | Spr. 22,14 - 15 |
| 04.  | Pred. 7,1 - 9,18   | 04.  | 2.Kor. 7,8 - 16   | 04.  | Ps. 50,1 - 23  | 04.  | Spr. 22,16      |
| 05.  | Pred. 10,1 - 12,14 | 05.  | 2.Kor. 8,1 - 15   | 05.  | Ps. 51,3 - 21  | 05.  | Spr. 22,17 - 21 |
| 06.  | Hoh. 1,1 - 5,1     | 06.  | 2.Kor. 8,16 - 24  | 06.  | Ps. 52,3 - 11  | 06.  | Spr. 22,22 - 23 |
| 07.  | Hoh. 5,2 - 8,14    | 07.  | 2.Kor. 9,1 - 15   | 07.  | Ps. 53,2 - 7   | 07.  | Spr. 22,24 - 25 |
| 08.  | Jes. 1,1 - 2,22    | 08.  | 2.Kor. 10,1 - 18  | 08.  | Ps. 54,3 - 9   | 08.  | Spr. 22,26 - 27 |
| 09.  | Jes. 3,1 - 5,30    | 09.  | 2.Kor. 11,1 - 15  | 09.  | Ps. 55,2 - 24  | 09.  | Spr. 22,28 - 29 |
| 10.  | Jes. 6,1 - 7,25    | 10.  | 2.Kor. 11,16 - 33 | 10.  | Ps. 56,2 - 14  | 10.  | Spr. 23,1 - 3   |
| 11.  | Jes. 8,1 - 9,20    | 11.  | 2.Kor. 12,1 - 10  | 11.  | Ps. 57,2 - 12  | 11.  | Spr. 23,4 - 5   |
| 12.  | Jes. 10,1 - 11,16  | 12.  | 2.Kor. 12,11 - 21 | 12.  | Ps. 58,2 - 12  | 12.  | Spr. 23,6 - 8   |
| 13.  | Jes. 12,1 - 14,32  | 13.  | 2.Kor. 13,1 - 13  | 13.  | Ps. 59,2 - 18  | 13.  | Spr. 23,9 - 11  |
| 14.  | Jes. 15,1 - 18,7   | 14.  | Gal. 1,1 - 24     | 14.  | Ps. 60,3 - 14  | 14.  | Spr. 23,12 - 14 |
| 15.  | Jes. 19,1 - 21,17  | 15.  | Gal. 2,1 - 10     | 15.  | Ps. 61,2 - 9   | 15.  | Spr. 23,15 - 16 |
| 16.  | Jes. 22,1 - 24,23  | 16.  | Gal. 2,11 - 3,5   | 16.  | Ps. 62,2 - 13  | 16.  | Spr. 23,17 - 18 |
| 17.  | Jes. 25,1 - 28,6   | 17.  | Gal. 3,6 - 29     | 17.  | Ps. 63,2 - 12  | 17.  | Spr. 23,19 - 21 |
| 18.  | Jes. 28,7 - 30,17  | 18.  | Gal. 4,1 - 31     | 18.  | Ps. 64,2 - 11  | 18.  | Spr. 23,22 - 25 |
| 19.  | Jes. 30,18 - 33,16 | 19.  | Gal. 5,1 - 12     | 19.  | Ps. 65,2 - 14  | 19.  | Spr. 23,26 - 28 |
| 20.  | Jes. 33,17 - 36,22 | 20.  | Gal. 5,13 - 26    | 20.  | Ps. 66,1 - 20  | 20.  | Spr. 23,29 - 35 |
| 21.  | Jes. 37,1 - 38,22  | 21.  | Gal. 6,1 - 18     | 21.  | Ps. 67,2 - 8   | 21.  | Spr. 24,1 - 2   |
| 22.  | Jes. 39,1 - 41,7   | 22.  | Eph. 1,1 - 23     | 22.  | Ps. 68,2 - 19  | 22.  | Spr. 24,3 - 4   |
| 23.  | Jes. 41,8 - 43,7   | 23.  | Eph. 2,1 - 22     | 23.  | Ps. 68,20 - 36 | 23.  | Spr. 24,5 - 6   |
| 24.  | Jes. 43,8 - 45,13  | 24.  | Eph. 3,1 - 21     | 24.  | Ps. 69,2 - 16  | 24.  | Spr. 24,7       |
| 25.  | Jes. 45,14 - 48,11 | 25.  | Eph. 4,1 - 16     | 25.  | Ps. 69,17 - 37 | 25.  | Spr. 24,8 - 9   |
| 26.  | Jes. 48,12 - 50,11 | 26.  | Eph. 4,17 - 32    | 26.  | Ps. 70,2 - 6   | 26.  | Spr. 24,10      |
| 27.  | Jes. 51,1 - 53,12  | 27.  | Eph. 5,1 - 33     | 27.  | Ps. 71,1 - 24  | 27.  | Spr. 24,11 - 12 |
| 28.  | Jes. 54,1 - 57,13  | 28.  | Eph. 6,1 - 24     | 28.  | Ps. 72,1 - 19  | 28.  | Spr. 24,13 - 14 |
| 29.  | Jes. 57,14 - 59,21 | 29.  | Phil. 1,1 - 26    | 29.  | Ps. 73,1 - 28  | 29.  | Spr. 24,15 - 16 |
| 30.  | Jes. 60,1 - 62,12  | 30.  | Phil. 1,27 - 2,18 | 30.  | Ps. 74,1 - 23  | 30.  | Spr. 24,17 - 18 |

| Okt. | AT                  | Okt. | NT                  | Okt. | Psalmen        | Okt. | Sprüche         |
|------|---------------------|------|---------------------|------|----------------|------|-----------------|
| 01.  | Jes. 63,1 - 65,25   | 01.  | Phil. 2,19 - 30     | 01.  | Ps. 75,2 - 11  | 01.  | Spr. 24,19 - 20 |
| 02.  | Jes. 66,1 - 24      | 02.  | Phil. 3,1 - 21      | 02.  | Ps. 76,2 - 13  | 02.  | Spr. 24,21 - 22 |
| 03.  | Jer. 1,1 - 2,30     | 03.  | Phil. 4,1 - 23      | 03.  | Ps. 77,2 - 21  | 03.  | Spr. 24,23 - 25 |
| 04.  | Jer. 2,31 - 4,18    | 04.  | Kol. 1,1 - 20       | 04.  | Ps. 78,1 - 22  | 04.  | Spr. 24,26      |
| 05.  | Jer. 4,19 - 6,15    | 05.  | Kol. 1,21 - 2,7     | 05.  | Ps. 78,23 - 53 | 05.  | Spr. 24,27      |
| 06.  | Jer. 6,16 - 8,7     | 06.  | Kol. 2,8 - 23       | 06.  | Ps. 78,54 - 72 | 06.  | Spr. 24,28 - 29 |
| 07.  | Jer. 8,8 - 9,25     | 07.  | Kol. 3,1 - 17       | 07.  | Ps. 79,1 - 13  | 07.  | Spr. 24,30 - 34 |
| 08.  | Jer. 10,1 - 11,23   | 08.  | Kol. 3,18 - 4,18    | 08.  | Ps. 80,2 - 20  | 08.  | Spr. 25,2       |
| 09.  | Jer. 12,1 - 14,10   | 09.  | 1.Thess. 1,1 - 2,8  | 09.  | Ps. 81,2 - 17  | 09.  | Spr. 25,3 - 5   |
| 10.  | Jer. 14,11 - 16,15  | 10.  | 1.Thess. 2,9 - 3,13 | 10.  | Ps. 82,1 - 8   | 10.  | Spr. 25,6 - 7   |
| 11.  | Jer. 16,16 - 18,23  | 11.  | 1.Thess. 4,1 - 18   | 11.  | Ps. 83,2 - 19  | 11.  | Spr. 25,8       |
| 12.  | Jer. 19,1 - 21,14   | 12.  | 1.Thess. 5,1 - 28   | 12.  | Ps. 84,2 - 13  | 12.  | Spr. 25,9 - 10  |
| 13.  | Jer. 22,1 - 23,24   | 13.  | 2.Thess. 1,1 - 12   | 13.  | Ps. 85,2 - 14  | 13.  | Spr. 25,11 - 13 |
| 14.  | Jer. 23,25 - 25,38  | 14.  | 2.Thess. 2,1 - 17   | 14.  | Ps. 86,1 - 17  | 14.  | Spr. 25,14      |
| 15.  | Jer. 26,1 - 27,22   | 15.  | 2.Thess. 3,1 - 18   | 15.  | Ps. 87,1 - 7   | 15.  | Spr. 25,15      |
| 16.  | Jer. 28,1 - 29,32   | 16.  | 1.Tim. 1,1 - 20     | 16.  | Ps. 88,2 - 19  | 16.  | Spr. 25,16 - 17 |
| 17.  | Jer. 30,1 - 31,26   | 17.  | 1.Tim. 2,1 - 15     | 17.  | Ps. 89,2 - 19  | 17.  | Spr. 25,18 - 20 |
| 18.  | Jer. 31,27 - 32,44  | 18.  | 1.Tim. 3,1 - 16     | 18.  | Ps. 89,20 - 53 | 18.  | Spr. 25,21 - 22 |
| 19.  | Jer. 33,1 - 34,22   | 19.  | 1.Tim. 4,1 - 16     | 19.  | Ps. 90,1 - 17  | 19.  | Spr. 25,23 - 24 |
| 20.  | Jer. 35,1 - 36,32   | 20.  | 1.Tim. 5,1 - 25     | 20.  | Ps. 91,1 - 16  | 20.  | Spr. 25,25 - 27 |
| 21.  | Jer. 37,1 - 38,28a  | 21.  | 1.Tim. 6,1 - 21     | 21.  | Ps. 92,2 - 16  | 21.  | Spr. 25,28      |
| 22.  | Jer. 38,28b - 41,18 | 22.  | 2.Tim. 1,1 - 18     | 22.  | Ps. 93,1 - 5   | 22.  | Spr. 26,1 - 2   |
| 23.  | Jer. 42,1 - 44,14   | 23.  | 2.Tim. 2,1 - 21     | 23.  | Ps. 94,1 - 23  | 23.  | Spr. 26,3 - 5   |
| 24.  | Jer. 44,15 - 46,28  | 24.  | 2.Tim. 2,22 - 3,17  | 24.  | Ps. 95,1 - 11  | 24.  | Spr. 26,6       |
| 25.  | Jer. 47,1 - 49,22   | 25.  | 2.Tim. 4,1 - 22     | 25.  | Ps. 96,1 - 13  | 25.  | Spr. 26,7 - 8   |
| 26.  | Jer. 49,23 - 50,46  | 26.  | Tit. 1,1 - 16       | 26.  | Ps. 97,1 - 12  | 26.  | Spr. 26,9 - 12  |
| 27.  | Jer. 51,1 - 53      | 27.  | Tit. 2,1 - 15       | 27.  | Ps. 98,1 - 9   | 27.  | Spr. 26,13 - 16 |
| 28.  | Jer. 51,54 - 52,34  | 28.  | Tit. 3,1 - 15       | 28.  | Ps. 99,1 - 9   | 28.  | Spr. 26,17      |
| 29.  | Klag. 1,1 - 2,22    | 29.  | Philem. 1 - 25      | 29.  | Ps. 100,1 - 5  | 29.  | Spr. 26,18 - 19 |
| 30.  | Klag. 3,1 - 66      | 30.  | 1.Petr. 1,1 - 13    | 30.  | Ps. 101,1 - 8  | 30.  | Spr. 26,20      |
| 31.  | Klag. 4,1 - 5,22    | 31.  | 1.Petr. 1,14 - 2,10 | 31.  | Ps. 102,2 - 29 | 31.  | Spr. 26,21      |

| Nov. | AT                 | Nov. | NT                  | Nov. | Psalmen           | Nov. | Sprüche         |
|------|--------------------|------|---------------------|------|-------------------|------|-----------------|
| 01.  | Hes. 1,1 - 3,15    | 01.  | 1.Petr. 2,11 - 3,7  | 01.  | Ps. 103,1 - 22    | 01.  | Spr. 26,22 - 23 |
| 02.  | Hes. 3,16 - 6,14   | 02.  | 1.Petr. 3,8 - 4,6   | 02.  | Ps. 104,1 - 35    | 02.  | Spr. 26,24 - 25 |
| 03.  | Hes. 7,1 - 9,11    | 03.  | 1.Petr. 4,7 - 5,14  | 03.  | Ps. 105,1 - 15    | 03.  | Spr. 26,26 - 27 |
| 04.  | Hes. 10,1 - 11,25  | 04.  | 2.Petr. 1,1 - 21    | 04.  | Ps. 105,16 - 45   | 04.  | Spr. 26,28      |
| 05.  | Hes. 12,1 - 14,11  | 05.  | 2.Petr. 2,1 - 22    | 05.  | Ps. 106,1 - 12    | 05.  | Spr. 27,1       |
| 06.  | Hes. 14,12 - 16,42 | 06.  | 2.Petr. 3,1 - 18    | 06.  | Ps. 106,13 - 31   | 06.  | Spr. 27,2       |
| 07.  | Hes. 16,43 - 17,24 | 07.  | 1.Joh. 1,1 - 10     | 07.  | Ps. 106,32 - 48   | 07.  | Spr. 27,3       |
| 08.  | Hes. 18,1 - 19,14  | 08.  | 1.Joh. 2,1 - 17     | 08.  | Ps. 107,1 - 43    | 08.  | Spr. 27,4 - 6   |
| 09.  | Hes. 20,1 - 21,5   | 09.  | 1.Joh. 2,18 - 3,6   | 09.  | Ps. 108,2 - 14    | 09.  | Spr. 27,7 - 9   |
| 10.  | Hes. 21,6 - 22,31  | 10.  | 1.Joh. 3,7 - 24     | 10.  | Ps. 109,1 - 31    | 10.  | Spr. 27,10      |
| 11.  | Hes. 23,1 - 49     | 11.  | 1.Joh. 4,1 - 21     | 11.  | Ps. 110,1 - 7     | 11.  | Spr. 27,11      |
| 12.  | Hes. 24,1 - 26,21  | 12.  | 1.Joh. 5,1 - 21     | 12.  | Ps. 111,1 - 10    | 12.  | Spr. 27,12 - 13 |
| 13.  | Hes. 27,1 - 28,26  | 13.  | 2.Joh. 1 - 13       | 13.  | Ps. 112,1 - 10    | 13.  | Spr. 27,14      |
| 14.  | Hes. 29,1 - 30,26  | 14.  | 3.Joh. 1 - 15       | 14.  | Ps. 113,1 - 9     | 14.  | Spr. 27,15 - 16 |
| 15.  | Hes. 31,1 - 32,32  | 15.  | Hebr. 1,1 - 14      | 15.  | Ps. 114,1 - 8     | 15.  | Spr. 27,17 - 18 |
| 16.  | Hes. 33,1 - 34,31  | 16.  | Hebr. 2,1 - 18      | 16.  | Ps. 115,1 - 18    | 16.  | Spr. 27,19 - 20 |
| 17.  | Hes. 35,1 - 36,38  | 17.  | Hebr. 3,1 - 19      | 17.  | Ps. 116,1 - 19    | 17.  | Spr. 27,21 - 22 |
| 18.  | Hes. 37,1 - 38,23  | 18.  | Hebr. 4,1 - 13      | 18.  | Ps. 117,1 - 2     | 18.  | Spr. 27,23 - 27 |
| 19.  | Hes. 39,1 - 40,27  | 19.  | Hebr. 4,14 - 5,14   | 19.  | Ps. 118,1 - 18    | 19.  | Spr. 28,1       |
| 20.  | Hes. 40,28 - 41,26 | 20.  | Hebr. 6,1 - 20      | 20.  | Ps. 118,19 - 29   | 20.  | Spr. 28,2       |
| 21.  | Hes. 42,1 - 43,27  | 21.  | Hebr. 7,1 - 28      | 21.  | Ps. 119,1 - 16    | 21.  | Spr. 28,3 - 5   |
| 22.  | Hes. 44,1 - 45,12  | 22.  | Hebr. 8,1 - 13      | 22.  | Ps. 119,17 - 32   | 22.  | Spr. 28,6 - 7   |
| 23.  | Hes. 45,13 - 46,24 | 23.  | Hebr. 9,1 - 12      | 23.  | Ps. 119,33 - 48   | 23.  | Spr. 28,8 - 10  |
| 24.  | Hes. 47,1 - 48,35  | 24.  | Hebr. 9,13 - 28     | 24.  | Ps. 119,49 - 64   | 24.  | Spr. 28,11      |
| 25.  | Dan. 1,1 - 2,23    | 25.  | Hebr. 10,1 - 18     | 25.  | Ps. 119,65 - 80   | 25.  | Spr. 28,12      |
| 26.  | Dan. 2,24 - 3,30   | 26.  | Hebr. 10,19 - 39    | 26.  | Ps. 119,81 - 96   | 26.  | Spr. 28,13      |
| 27.  | Dan. 3,31 - 4,34   | 27.  | Hebr. 11,1 - 16     | 27.  | Ps. 119,97 - 112  | 27.  | Spr. 28,14      |
| 28.  | Dan. 5,1 - 30      | 28.  | Hebr. 11,17 - 31    | 28.  | Ps. 119,113 - 136 | 28.  | Spr. 28,15 - 16 |
| 29.  | Dan. 6,1 - 29      | 29.  | Hebr. 11,32 - 12,11 | 29.  | Ps. 119,137 - 160 | 29.  | Spr. 28,17 - 18 |
| 30.  | Dan. 7,1 - 28      | 30.  | Hebr. 12,12 - 29    | 30.  | Ps. 119,161 - 176 | 30.  | Spr. 28,19 - 20 |

| Dez. | AT                 | Dez. | NT               | Dez. | Psalmen        | Dez. | Sprüche         |
|------|--------------------|------|------------------|------|----------------|------|-----------------|
| 01.  | Dan. 8,1 - 27      | 01.  | Hebr. 13,1 - 25  | 01.  | Ps. 120,1 - 7  | 01.  | Spr. 28,21 - 22 |
| 02.  | Dan. 9,1 - 11,1    | 02.  | Jak. 1,1 - 18    | 02.  | Ps. 121,1 - 8  | 02.  | Spr. 28,23      |
| 03.  | Dan. 11,2 - 35     | 03.  | Jak. 1,19 - 2,13 | 03.  | Ps. 122,1 - 9  | 03.  | Spr. 28,24      |
| 04.  | Dan. 11,36 - 12,13 | 04.  | Jak. 2,14 - 3,12 | 04.  | Ps. 123,1 - 4  | 04.  | Spr. 28,25 - 26 |
| 05.  | Hos. 1,1 - 3,5     | 05.  | Jak. 3,13 - 4,12 | 05.  | Ps. 124,1 - 8  | 05.  | Spr. 28,27 - 28 |
| 06.  | Hos. 4,1 - 5,14    | 06.  | Jak. 4,13 - 5,20 | 06.  | Ps. 125,1 - 5  | 06.  | Spr. 29,1       |
| 07.  | Hos. 5,15 - 9,17   | 07.  | Jud. 1 - 25      | 07.  | Ps. 126,1 - 6  | 07.  | Spr. 29,2 - 4   |
| 08.  | Hos. 10,1 - 14,10  | 08.  | Offb. 1,1 - 8    | 08.  | Ps. 127,1 - 5  | 08.  | Spr. 29,5 - 8   |
| 09.  | Joel 1,1 - 4,21    | 09.  | Offb. 1,9 - 20   | 09.  | Ps. 128,1 - 6  | 09.  | Spr. 29,9 - 11  |
| 10.  | Amos 1,1 - 3,15    | 10.  | Offb. 2,1 - 17   | 10.  | Ps. 129,1 - 8  | 10.  | Spr. 29,12 - 14 |
| 11.  | Amos 4,1 - 6,14    | 11.  | Offb. 2,18 - 3,6 | 11.  | Ps. 130,1 - 8  | 11.  | Spr. 29,15 - 17 |
| 12.  | Amos 7,1 - 9,15    | 12.  | Offb. 3,7 - 22   | 12.  | Ps. 131,1 - 3  | 12.  | Spr. 29,18      |
| 13.  | Obad. 1 - 21       | 13.  | Offb. 4,1 - 11   | 13.  | Ps. 132,1 - 18 | 13.  | Spr. 29,19 - 20 |
| 14.  | Jona 1,1 - 4,11    | 14.  | Offb. 5,1 - 14   | 14.  | Ps. 133,1 - 3  | 14.  | Spr. 29,21 - 22 |
| 15.  | Micha 1,1 - 4,14   | 15.  | Offb. 6,1 - 17   | 15.  | Ps. 134,1 - 3  | 15.  | Spr. 29,23      |
| 16.  | Micha 5,1 - 7,20   | 16.  | Offb. 7,1 - 17   | 16.  | Ps. 135,1 - 21 | 16.  | Spr. 29,24 - 25 |
| 17.  | Nah. 1,1 - 3,19    | 17.  | Offb. 8,1 - 13   | 17.  | Ps. 136,1 - 26 | 17.  | Spr. 29,26 - 27 |
| 18.  | Hab. 1,1 - 3,19    | 18.  | Offb. 9,1 - 21   | 18.  | Ps. 137,1 - 9  | 18.  | Spr. 30,1 - 4   |
| 19.  | Zeph. 1,1 - 3,20   | 19.  | Offb. 10,1 - 11  | 19.  | Ps. 138,1 - 8  | 19.  | Spr. 30,5 - 6   |
| 20.  | Hag. 1,1 - 2,23    | 20.  | Offb. 11,1 - 19  | 20.  | Ps. 139,1 - 24 | 20.  | Spr. 30,7 - 9   |
| 21.  | Sach. 1,1 - 2,4    | 21.  | Offb. 12,1 - 18  | 21.  | Ps. 140,2 - 14 | 21.  | Spr. 30,10      |
| 22.  | Sach. 2,5 - 3,10   | 22.  | Offb. 13,1 - 18  | 22.  | Ps. 141,1 - 10 | 22.  | Spr. 30,11 - 14 |
| 23.  | Sach. 4,1 - 5,11   | 23.  | Offb. 14,1 - 20  | 23.  | Ps. 142,2 - 8  | 23.  | Spr. 30,15 - 16 |
| 24.  | Sach. 6,1 - 7,14   | 24.  | Offb. 15,1 - 8   | 24.  | Ps. 143,1 - 12 | 24.  | Spr. 30,17      |
| 25.  | Sach. 8,1 - 23     | 25.  | Offb. 16,1 - 21  | 25.  | Ps. 144,1 - 15 | 25.  | Spr. 30,18 - 20 |
| 26.  | Sach. 9,1 - 17     | 26.  | Offb. 17,1 - 18  | 26.  | Ps. 145,1 - 21 | 26.  | Spr. 30,21 - 23 |
| 27.  | Sach. 10,1 - 11,17 | 27.  | Offb. 18,1 - 24  | 27.  | Ps. 146,1 - 10 | 27.  | Spr. 30,24 - 28 |
| 28.  | Sach. 12,1 - 13,9  | 28.  | Offb. 19,1 - 21  | 28.  | Ps. 147,1 - 20 | 28.  | Spr. 30,29 - 31 |
| 29.  | Sach. 14,1 - 21    | 29.  | Offb. 20,1 - 15  | 29.  | Ps. 148,1 - 14 | 29.  | Spr. 30,32 - 33 |
| 30.  | Mal. 1,1 - 2,16    | 30.  | Offb. 21,1 - 27  | 30.  | Ps. 149,1 - 9  | 30.  | Spr. 31,1 - 9   |
| 31.  | Mal. 2,17 - 3,24   | 31.  | Offb. 22,1 - 21  | 31.  | Ps. 150,1 - 6  | 31.  | Spr. 31,10 - 31 |